# ECONOMICS

## B A PART – I (Honours)

## PAPER I

## PRINCIPLES of ECONOMICS

- Website

eGyankosh.ac.in पर जाएं

- इस page के

**IGNOU Self Learning Material (SLM)** बटन को दबाएं (click करें)।

- नए पेज में स्क्रॉल कर नीचे

**Sub-communities within this community**

Heading के रूप में लिखा मिलेगा। इसमें नीचे 02 नंबर पर

**02. School of Social Sciences (SOCC)**

लिखा मिलेगा।इस बटन को दबाएं (click करें)। पुनः

**Sub-communities within this community**

Heading के रूप में लिखा मिलेगा। इसमें नीचे Discipline **को छोड़कर** **Levels** को select कीजिए / click कीजिए।

**Sub-communities within this community**

लिखा आयेगा, इसमें

**Bachelor's Degree Programmes**

**को click करके खोलें** ।

**Sub-communities within this Community** लिखाआयेगा

इसमें नीचे Archieved **को छोड़कर** **Current** को select कीजिए / click कीजिए।

पुनः

**Sub-communities within this Community** लिखाआयेगा जिसके अंतर्गत

**Bachelor of Arts (Honours)  Economics (BAECH)**

लिखाआयेगा जिसके अंतर्गत

**Sub-communities within this Community.**

में नीचे

**बी ई सी सी – प्रारंभिक व्यष्टी अर्थशास्त्र**

लिखा मिलेगा

**इसे click करके खोलें**

नए पृष्ठ पर

**बी. ई .सी .सी -101 - प्रारंभिक व्यष्टी अर्थशास्त्र**

लिखा मिलेगा और उसके नीचे

**Collections within this Community**

में प्रारंभिक व्यष्टी अर्थशास्त्र के अध्याय दिए गए हैं जिसमें पहला अध्याय है

**खण्ड-1 परिचय**

**इसे click करके खोलें**

नए पृष्ठ पर पुनः **खण्ड-1 परिचय** को click करें, खोलें

और पुनः pdf file के view/ open, option पर जाकर इसे click करें ।

***यह पूरा chapter पठन के लिए खुल जायेगा।***

किसी भी विषय की कुछ मूलभूत अवधारणा होती है जो उस विषय को परिभाषित करता है और विषय को समझने के लिए आवश्यक है गया है।"**संतुलन**" भी अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणाओं में से एक है।

इस इकाई के पृष्ठ संख्या 18 एवं 19 में अर्थशास्त्र विषय के इस महत्वपूर्ण टूल (ज्ञान का साधन) से हमारा प्रारंभिक परिचय कराया गया है।

संतुलन या साम्य या साम्यावस्था (equilibrium) से तात्पर्य किसी व्यक्ति/समुदाय/बाज़ार/अर्थव्यवस्था की उस अवस्था से है जब दो या अधिक परस्पर विरोधी वस्तुओं या बलों के होने पर भी 'स्थिरता' (अगति) का दर्शन हो। बहुत से निकायों में साम्यावस्था देखने को मिलती है।

आम जीवन में तौलने की प्रक्रिया संतुलन का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। जब दोनों पलड़ों( जो परस्पर विरोधी बल को दर्शाते हैं) में समान भार या बल हो तो तराजू में संतुलन (balance) स्थापित हो जाता है। उसी प्रकार साम्य मूल्य (Equilibrium price), वह मूल्य जिस पर आपूर्ति की मात्रा, मांग की मात्रा के बराबर हो जाती है। उदाहरस्वरूप यदि किसी वस्तु का बाज़ार मूल्य साम्यावस्था में है तो वह स्थिर हो जायेगा और काल दर काल मूल्य के उसी मान की आवृत्ति होती रहेगी। या एक ही मात्रा की मांग और आपूर्ति होती रहेगी अतः संतुलन विश्राम की अवस्था है जहां आर्थिक एजेंट के पास अपने आर्थिक व्यवहार में किसी प्रकार के बदलाव/ परिवर्तन की आवश्यकता नहीं होती है।

**सामान्य संतुलन** एक साथ कई बाजारों में या एक पूरी अर्थव्यवस्था में आपूर्ति, मांग और कीमतों में संतुलन कैसे स्थापित होता है जिससे सभी बाजारों में एक साथ साम्यावस्था बनी रहे और सभी आर्थिक एजेंट इस अवस्था से सन्तुष्ट हो, इसीको समझाने का प्रयास करता है। यह साबित करने के लिए कि मांग और आपूर्ति की परस्पर क्रिया के परिणामस्वरूप एक समग्र सामान्य संतुलन स्थापित होगा। ***सामान्य संतुलन की यह मान्यता है कि सभी चर एक दूसरे पर आश्रित हैं और सभी बाजारों में एक साथ एक समन्वित संतुलन स्थापित होता है जिसमें समग्र मांग, समग्र आपूर्ति के बराबर होती है***। संतुलन सिद्धांत **आंशिक संतुलन** के सिद्धांत के विपरीत है, जो केवल एकल बाजारों का विश्लेषण करता है।

**सामान्य संतुलन एवं आंशिक संतुलन में अंतर**

माइक्रोइकॉनॉमिक (व्यष्टी अर्थशास्त्र) मॉडल को आमतौर पर आंशिक और सामान्य संतुलन मॉडल के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। एक आम आदमी के रूप में, यह समझा जा सकता है क आंशिक संतुलन कुछ आर्थिक चर पर ध्यान केंद्रित करता है जो संतुलन की खोज के लिए होता है, जबकि सामंयिक मॉडल एक बड़ी, व्यापक आर्थिक परिधि के विभिन्न घटकों के परस्पर क्रिया- प्रतिक्रिया को कैप्चर(समाहित) करता है जिससे उनमें आपस में और संपूर्णता में बैलेंस स्थापित रहे।

आंशिक और सामान्य संतुलन मॉडल के बीच मुख्य अंतर यह है कि आंशिक संतुलन मॉडल यह मानते हैं कि जो किसी एक बाजार में होता है उसका विश्लेषण अन्य बाजारों पर कोई प्रभाव नहीं डालता है।

इसलिए आंशिक संतुलन मॉडल केवल एक वस्तु के लिए एक बाजार पर विचार करता है और यह मानता है किसी दूसरे वस्तु या मूल्य का मान नहीं बदलता है।

सामान्य संतुलन मॉडल में हर बाजार का हर दूसरे बाजार पर प्रभाव पड़ता है और इसलिए एक बाजार में बदलाव से दूसरे बाजार में बदलाव हो सकता है और इसलिए हर बाजार को एक साथ मॉडल करना पड़ता है।

अर्थशास्त्र के मूल सिद्धांत (basics) को जानना आवश्यक है। इस इकाई में दिए गए अर्थशास्त्र के मूल तत्व को जानना किसी भी अच्छे छात्र की दृष्टि से सफलता की कुंजी है। इस अवधारणा का उपयोग अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र के अध्ययन में व्यापक है।

इस इकाई में कई बोध प्रश्न छात्रों को हल करने के लिए दिया गया है जिससे उनका concept clear हो और अभ्यास से विश्वास में निरंतर वृद्धि हो।

**बी ए भाग -1 की मुख्य परीक्षा में उत्पादन संभावना वक्र पर संक्षिप्त नोट्स लिखने आ सकता है अतः इसकी तैयारी आवश्यक है।**

**IGNOU (इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय) की नेट पर उपलब्ध सामग्री का स्तर बहुत अच्छा है। इसे कोई भी छात्र बिना अनुमति के और बिना पैसे खर्च किए उपयोग के लिए स्वतंत्र है। इसका लाभ उठाकर ज्ञानार्जन करें।**

यह BA level का कोर्स सामग्री है किन्तु साथ ही reference book का अध्ययन किया जाना आवश्यक है। प्रत्येक इकाई के अंत में उस इकाई से संबंधित पुस्तकों का नाम, लेखक का नाम एवं प्रकाशक का नाम दिया गया है।

Corona virus की इस विभीषिका काल में **IGNOU (इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय)** इस पठन सामग्री जो इंटरनेट पर सुलभ है का छात्र अपने ज्ञान वर्धन और परीक्षा की तैयारी के लिए उपयोग करेंगे और लाभ उठाएंगे।

***Prof. Chanchal Kumar Pandey***

***Head***

***Department of Economics***

***Maharaja College***

***Ara***